मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांक: 20 मार्च 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	**20-03-14**	**21-03-14**	**22-03-15**	**23-03-15**	**24-03-15**
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	36	36	37	38
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	17	18	19	20	20
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	1	2	0	4
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	41	38	36	32	30
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	15	14	15	14	13
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	12	12	7	6	6
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

गेहूँ की फसल पक गई हो तो कटाई करके फसल को खलिहान में अच्छी तरह सुखाकर थ्रेसिंग कर दाने अलग करें।

तापमान में वृद्धि की स्थिति में कुष्माण्ड कुल की अगेती ग्रीष्मकालीन सब्जियों लौकी, कद्दू, चिकनी तुरई, खीरा, करेला एवं काचरा में सिंचाई दें।

बेर की कटाई–छंटाई का उचित समय है। कृन्तन द्वितीय शाखा तक करें। कृन्तन करते समय अनचाही, रोगग्रस्त, सूखी एवं आपस में रगड़ खाती टहनियों को हटा दें।

मार्च के अन्त में भेडों में ऊन कतरने से पहले भेडों की डीपिंग कराएं जिससे ऊन से गंदगी हट जाएं। भेड़ व बकरियों में फड़किया रोग से बचाव हेतु टीका लगवाएं।

मौसम परिवतर्न के कारण चारे में बदलाव धीरे धीरे करें अन्यथा पशु में आफरा होने की संभावना बनी रहती है। मौसम के अनुसार सुपाच्य तथा पौष्टिक चारे की व्यवस्था करें।